कुरान में परिवर्तन

लेखक

मौलाना गुलाम हैदर अली 'उर्फ'
पण्डित सत्यदेव 'काशी'

सम्पादक

लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

अमर स्वामी प्रकाशन विभाग

Scanned by CamScanner

कुरान में परिवर्तन

Dharm Prakash Arya
32/33

लेखक

मौलाना गुलाम हैदर अली 'उर्फ'

पण्डित सत्यदेव 'काशी'

इस पुस्तक में यह बताया गया है कि कालान्तर में कुरान के अन्दर बहुत कुछ उलट फेर हो गया है।

सम्पादक

लाजपत राय अग्रवाल

(वैदिक मिशनरी)

प्रकाशक

अमर स्वामी प्रकाशन विभाग

१०५८, विवेकानन्द नगर, गाजियाबाद- २०१००१ (उ.प्र.)

E-mail : lajpatraiaggarwal1058@gmail.com

Website: www.amarswamiprakashanvibhag.com

जुलाई सन् २०१३ ई0 मूल्य : दस रुपया

Scanned by CamScanner

प्रकाशक की ओर से

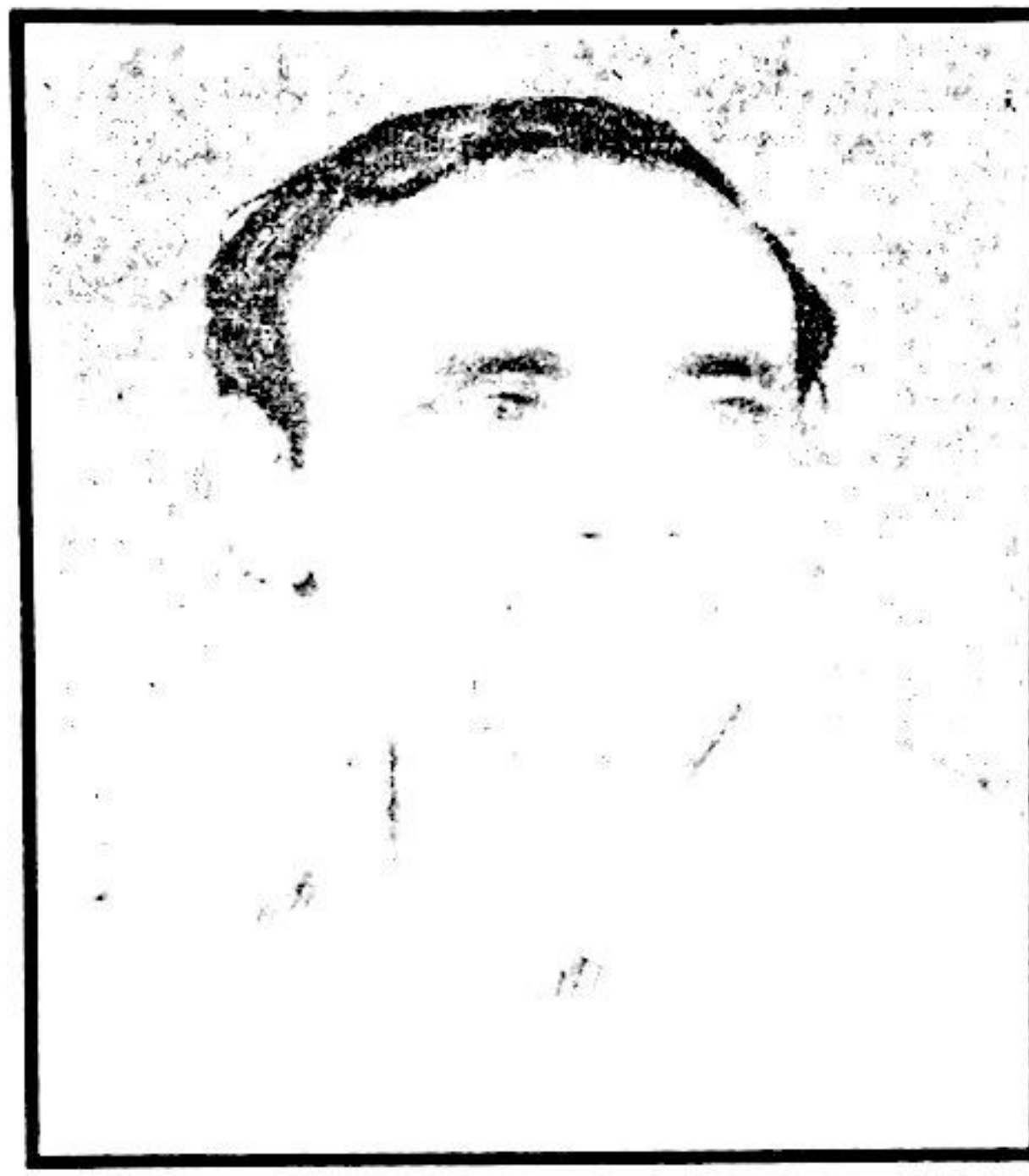

लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

कुरान मजीद जिसे अगर खुदाई किताब कहा जाता है तो उसमें एक शब्द का भी हेर-फेर या रद्दो-बदल होना सम्भव नहीं है और ना ही होना चाहिये। परन्तु घोर आश्चर्य है कि कुरान का ये इल्हामी होने का दावा बरकरार रहते हुए उसमें अनेकों प्रकार का परिवर्तन हो गया। क्या खूब है? दावा भी कायम रहा और गुनाह भी होता रहा, यही तो कमाल है परन्तु भाईयों सच्चाई तो ये है कि ये दुरंगी चाल चल नहीं सकती या तो मुँह फुलाओ

Scanned by CamScanner

या हँसो! एक ही काम होगा, ये दोनों काम एक ही वक्त में नहीं हो सकते।

कहाँ तक कहे? एक दो परिवर्तन हो तो छुप भी जायें, परन्तु जहाँ आयत में परिवर्तन, शब्दों में परिवर्तन, पारों में परिवर्तन, सूरतों में परिवर्तन, मूल भाषा पर विवाद, उसके इकट्ठा करने पर मतभेद, उसके बावजूद भी खुदाई होने का दावा? यह कमाल नहीं तो और क्या है?

मैं अधिक क्या लिखूँ? पुस्तक अपना परिचय स्वयं दे रही है, उसमें प्रमाण की कोई जरूरत नहीं है, यह पुस्तक शोधकर्त्ताओं के लिये तो एक Key (चाबी) का काम करेगी इसमें तनिक भी संदेह नहीं।

अमर स्वामी प्रकाशन विभाग का यह सौभाग्य ही है कि ऐसे खोजपूर्ण दुर्लभ साहित्य को प्रकाश में लाकर जन-सामान्य को उसके द्वारा लाभ मिल रहा है।

मैं तो विद्वान् लेखक का हृदय से आभार मानता हूँ! क्योंकि इसके सम्पादन एवं प्रूफ रीडिंग करने से मेरे ज्ञान में अद्भुत अभिवृद्धि हुई है।

वैदिक धर्म का–

लाजपत राय अग्रवाल

(वैदिक मिशनरी)

कुरान में परिवर्तन नं० १

(चित्र संख्या १)

आज तेरह सौ वर्ष से हमारे मुसलमान भाई कहते चले आ रहे हैं कि हमारे कुरान शरीफ में किसी प्रकार का भी कोई परिवर्तन अर्थात् फेर-बदल नहीं हुआ इसलिए यह खुदायी किताब है। परन्तु हमें अपने कई वर्षों के अति गहन निरीक्षण करने के पश्चात इस बात का पूरा पूरा पता लग गया है कि कुरान में बहुत कुछ परिवर्तन अर्थात् फेरबदल हो चुका है जिसका एक अंश हम कुरान शरीफ की अक्षर संख्या के सम्बन्ध में इस्लामी साहित्य के बड़े बड़े विख्यात पण्डितों के लेखानुसार आप सज्जनों की भेंट करते हैं, अवलोकन कीजिए।

किसके मत में कुरान की अक्षर संख्या कितनी थी?

क्रमांक	मत का नाम	अक्षर संख्या
१.	सुयूती इब्ने अब्बास के कुरान में.....	३२३६७१
२.	सुयूती उम्रिब्नेखताब के कुरान में.....	१०२७०००
३.	सिराजुल्कारी अब्दुल्ला इब्ने मस्ऊद.....	३२२६७१
४.	सिराजुल्कारी मुजाहिद के कुरान में.....	३२११२१
५.	उम्दतुलब्यान अब्दुल्ला इब्ने मस्ऊद.....	३२२६७०
६.	सिराजुल्कारी पुस्तककर्त्ता.....	३२०२६७०
७.	उम्दतुल्ब्यान पुस्तककर्त्ता.....	३५१४८२

Scanned by CamScanner

क्र०सं०	मत का नाम	अक्षर संख्या
८.	कसीदतुल्किराअत पुस्तककर्त्ता.....	३२०२६७०
९.	दुआय मुतबर्रकः पुस्तककर्त्ता.....	४४५४८३
१०.	रमूजुल् कुरआन मुहम्मद हसनअली.....	४०२६५

उम्दतुल बयान का चित्र

कुरान में आये हुए प्रत्येक अक्षर की संख्या

आलिफ़	बे	ते	से
४८८७६	११४२८	१०१९९	१२७६
ज़ीम	हे	ख़े	दाल
३२७३	३७९३	२४१६	५६०२
ज़ाल	रे	ज़े	सीन
४६७७	११७९३	१५९०	५८९१
शीन	स्वाद	ज़्वाद	तोय
२२५३	२०१२	१६०७	१२७७
ज़ोय	ऐन	ग़ैन	फ़े
८४२	९२२०	२२०८	८४९९
क़ाफ़	क़ाफ़	लाम	मीम
६८१३	९५००	३०४३२	२६५६०
नून	वाव	हे	हम्ज़ा
४५१९०	२५५३६	१९०७०	४७२०

ये ४५९१९ इस प्रकार कुल अक्षर हुए =३,५२,४६४
(तीन लाख बावन हजार चार सौ चौंसठ)

यह तो रही कुरान शरीफ की अक्षर संख्या! अब आप उसके शब्दों की संख्या को भी देख लीजिए जिससे कि आपको कुरान के परिवर्तन में किसी भी प्रकार का सन्देह बाकी न रहे।

क्र० सं०	पुस्तक का नाम	किसके मत में	संख्या शब्द
१.	उम्दतुल ब्यान	हमीदआरज	७६२५०
२.	उम्दतुल ब्यान	अब्दुल अजीज़िब्ने अब्दुल्लाह	७०४३९
३.	सिराजुलकारी	हमीद आरज	७६४३०
४.	सिराजुलकारी	मुजाहिद	७६२५०
५.	सिराजुलकारी	अब्दुल अजीजिब्ने अब्दुल्लाह	७०४३९
६.	कसीदतुलकिराअत	पुस्तककर्त्ता	८६४३०
७.	दुआये मुतबर्रक	पुस्तककर्त्ता	७६०००
८.	सिराजुलकारी	पुस्तककर्त्ता	७६४२०
९.	सूयूती का अनुवादक,	मुहम्मद हलीम अन्सारी	७७९३३
१०.	मुहम्मद हलीम-की टिप्पणी	कई एक के विचार में	७७४३७

Scanned by CamScanner

क्र० सं०	पुस्तक का नाम	किसके मत में	संख्या शब्द
११.	मुहम्मद हलीम की टिप्पणी	कई एक के विचार में	७७२७७
१२.	रमूजुलकुरआन	मुहम्मद हसन अली	७६४२

इससे विदित होता है कि कुरान शरीफ के अन्दर कालान्तर में काफी कुछ उलट-फेर हो गया है अर्थात् समूचे कुरान में बहुत कुछ परिवर्तन हो चुका है।

नोट- १-कुरान के अरबी में ५५ नाम।
२-कुरान में अरबी के सिवाय अन्य ७४ भाषाएं मौजूद हैं।
३-सम्पूर्ण कुरान २० या २२, अथवा २५ वर्षों में तैयार हुआ।
४- कुरान १४ स्थानों में बनाया गया।

विशेष दृष्टव्य–यह लेखक का ''सर्वप्रिय'' ''अति सुन्दर'' ''सभ्यता युक्त'' ''अत्यन्तोपयोगी शोध कार्य'' तथा सराहनीय पुरुषार्थ है, जिसका प्रचार और प्रसार आप सभी वैदिक धर्मावलम्बी सज्जन पुरुषों का परम कर्तव्य है।

-लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

कुरान में परिवर्तन नं० २

(चित्र संख्या २)

इसके पूर्व मैंने ''कुरान में परिवर्तन न० १'' वाले चित्र को भली भाँति सिद्ध कर दिया है कि कुरान शरीफी अक्षर तथा शब्द संख्या में बहुत कुछ परिवर्तन हो चुका है अब इस दूसरे नं० में कुरान शरीफ की आयतों तथा सूरतों की संख्या का वर्णन किया जाता है।

१- सिराजुल्कारी, उम्दतुल्बयान, फ़ी तफ़सीरिल कुरान-तफ़सीरे इत्तेकान कसीदतुल्किराअत-रमूजुल कुरान और दुआय मुतबर्रकः में इमाम अबुहनीफः जैदिब्ने साबित अन्सार और मुल्ला मुहम्मद हसनअली इत्यादि के अनुसार कुरान में ११४ सूरतें थी।

२- मुल्ला जलालुद्दीन सुयूती अपनी तफ़सीरे इत्तेकान फ़ी उसूमिल कुरान में लिखते हैं कि मुसहफे (कुरान) इब्नेमसऊद में ११२ सूरतें थी।

३- और उबैयिब्ने काब के कुरान में ११६ सूरतें थी।

४- और इब्ने अब्बास के कुरान में ११६ सूरतें थी।

५- और जलालुद्दीन के एक लेख से यह सिद्ध होता है

Scanned by CamScanner

कि किसी समय हजरत उस्मान के कुरान में १११ सूरतें थी।

६- और उमिय्यतिब्ने अब्दुल्लाह के समय खुरासान देश में एक ऐसा कुरान भी पाया जाता था कि जिसमें ११६ सूरतें थी।

७- सिराजुल्कारी में मुजाहिद के विचारानुसार कुरान में ११३ सूरतें थी।

८- और कई एक के विचारानुसार उबैयिब्ने काब के कुरान में ११५ सूरते थी।

और वर्तमान कुरान में ११४ सूरतें हैं जिनके नाम हम क्रम से नीचे लिखते हैं, देखिये–

(१) फातेहः	(२) बक्र	(३) इम्रान
(४) निसाअ	(४) मायदः	(६) अन्आम
(७) अअ्राफ	(८) अन्फाल	(९) तोबः
(१०) युनुस	(११) हूद	(१२) यूसुफ
(१३) रअद्	(१४) इब्राहीम	(१५) हिज्र
(१६) नहल	(१७) बनी इस्राईल	(१८) कहफ़
(१९) मर्यम	(२०) त्वाहा	(२१) अम्बिया
(२२) हज्ज	(२३) मोमिनून	(२४) नूर
(२५) फुर्कान	(२६) शुअरा	(२७) नमल

(२८) कसस	(२९) अन्कबूत	(३०) रुम
(३१) लुकमान	(३२) सजदः	(३३) अहजाय
(३४) सबा	(३५) मलायकः	(३६) यासीन
(३७) साफात	(३८) स्वाद	(३९) जुम्
(४०) मोमिन	(४१) फुस्सेअत्	(४२) शोरा
(४३) जुखरुफ	(४४) दुखान	(४५) जासियः
(४६) अहकाफ	(४७) किताल	(४८) फतह
(४९) हिजरात	(५०) काफ	(५१) जारियात
(५२) तूर	(५३) नज्म	(५४) कमर
(५५) रहमान	(५६) वाकेअः	(५७) हदीद
(५८) मुजादिलः	(५९) हथ	(६०) मुम्तहेनः
(६०) सफ	(६२ जुमअः	(६३) मुनाफिकून
(६४) तंगाबुन	(६५) तलाक्	(६६) तहरीम
(६७) मुल्क	(६८) कलम	(६९) हाक़
(७०) मआरिज	(७१) नूह	(७२) जिन्न
(७३) मुजम्मिल	(७४) मुदस्सिर	(७५) कियामत
(७६) दहर	(७७) मुसलात	(७८) नबा
(७९) नाजेआत	(८०) अबस	(८१) तकवीर
(८२) इन्फितार	(८३) मुतफ्फेफीन	(८४) इन्शेकाक
(८५) बुरुज	(८६) तारिक	(८७) आला
(८८) गाशियः	(८९) फज्र	(९०) बलद
(९१) शम्स	(९२) लैल	(९३) जुहा

Scanned by CamScanner

(९४) अलम् नशरह (९५) तीन (९६) अलक
(९७) कदर (९८) वैययेनः (९९) जिलजाल
(१००) आदियात (१०१) कारेअः (१०२) तकासुर
(१०३) अस्त्र (१०४) हुमज (१०५) फील
(१०६) कुरैश (१०७) माऊन (१०८) कौसर
(१०९) काफिरून (११०) नस्त्र (११) तब्बत
(११२) अखलास (११३) फलक (११४) नास

यहां तक कुरान शरीफ की सूरतों की संख्याओं का मतभेद समाप्त हुआ इसके आगे कुरान शरीफ की आयतों की संख्या का वर्णन किया जाता है।

१- दुआय मुतबर्रकः कसीदतुल्क़िराअत उम्दतुल् बयान फी तफ्सीरिल कुरान–सिराजुलकारी तथा रमूजुल कुरान में लिखा है कि–
सम्पूर्ण कुरान में .....६६६६ आयतें हैं।

२- और तफ्सीरे इत्तेक़ान फी उलूमिल् कुरान इत्यादि में लिखा है कि ..... ६२१४ आयतें हैं।

३- और मदनियों के समीप.....६२१४ आयतें हैं।

४- और मक्कियों के समीप.....६२१२ आयते हैं।

५- और शामियों के समीप.....६२५० आयते हैं।

६- और बस्त्रियों के समीप.....६२१६ आयते हैं।

७- और इराकियों के समीप.....६२१४ आयते हैं।

८- और कूफ़ियों के समीप.....६२३६ आयते हैं।

९- और अब्दुलाइब्ने मसऊद के समीप.....
६२१८ आयते हैं।

१०- और सुयूती के कथनानुसार इब्ने–
अब्बा के समीप.....६६१६ आयते हैं।

११- अद्दानी के समीप.....६००० आयते हैं।

१२- कई एक के विचारानुसार.....६२०४ आयते हैं।

१३- कई एक के विचारानुसार.....६२१४ आयते हैं।

१४- कई एक के विचारानुसार..... ६२१९ आयते हैं।

१५- कई एक के विचारानुसार..... ६२२५ आयते हैं।

१६- कई एक के विचारानुसार..... ६२३६ आयते हैं।

पाठक वृन्द! यह है कुरान शरीफ की आयतों तथा सूरतों की संख्या जिसकी मैंने इस्लामी साहित्य के मर्मज्ञ पंडितों के लेखानुसार संग्रह करके आप सज्जनों की सेवा में उपस्थित कर दिया अब आपका कर्त्तव्य है कि इनका विचार कर स्वयं लाभ उठावें और दूसरों के हाथों तक पहुँचाने का यत्न करें। ताकि हमारा परिश्रम सफल हो।

नोट- (१) एक सूरत मक्का तथा मदीना में उतरी
(२) १४ मदीना में उतरी
(३) ८२ मक्के में उतरी
(४) १७ अन्यत्र भिन्न-भिन्न स्थानों में उतरी

–लेखक

Scanned by CamScanner

कुरान शरीफ में ७४ भाषा

(चित्र संख्या ३)

हमारे मुसलमान भाइयों का यह पक्ष है कि कुरान शरीफ़ केवल अरबी भाषा की किताब है जिसके प्रमाण में वे कुरान पारा १२ सूरते यूसुफ़ आयत २ "इन्न अञ्जल नाहो कुरआनन् अरबीय्यल्लअल्लकुम् ताकेलून" को पेश करते हैं जिसका अर्थ यह है कि–"निश्चय उतारा हम (ईश्वर) ने कुरान को अरबी भाषा में ताकि तुम (अरब वाले) समझो" और इसके विपरीत मुहम्मद साहिब के बड़े-बड़े इक्कीस गण मिस्ल उबैयिब्नेकाब, अन्स, हुजैफा, जैद, समरा सल्मान इब्ने, अब्बास, इब्ने मसऊद, अब्दुर्रहमान, उस्मान, उम्र, अम्रिब्नेअबी सल्लमा उमिब्निलआस, मुआज, हिश्शाम, अबीबक्र, अबीजहुम, अबी सईद खुदरी, अबी-तुल्हा, अबी हुरैरह और अबी अय्यूब का यह कहना है कि–'नज़लल् कुर्आनो अला सबअते अहरुफ़िन्' अर्थात् (हदीस में आया है कि) 'उतारा कुरान को सात अक्षरों में और सात अक्षरों के सम्बन्ध में इब्ने अब्बास, अबीसाल्हे, अबूउबैदः, सालब, जुहरी, इब्ने अतय्या और बैहकी, का यह मत है कि–इन सात अक्षरों से कुरैशी, यमनी, जरहमी,

हवाज़नी, कुज़ाई, तमीमी और ते सात भाषाओं का ग्रहण है अर्थात् कुरान इन सात भाषाओं में उतरा और अल्लामः जलालुद्दीन सूयूती अपनी पुस्तक तफ़सीरे इत्तेक़ान फी उलूमिल् कुर्आन में अबूबक्रिब्ने अन्सारी, इब्ने अबी बक्र अन्बारी, सईदिदिब्ने मन्सूर, अबूबक्र वास्ती, मुल्ला जलालुद्दीन, सआलबी, इब्ने जौजी जरकशी अबूनुईम, अबू हातिम, किरमानी, काजी ताजुद्दीन इत्यादि की साक्षी से लिखते हैं कि कुरान में ७४ भाषाओं के शब्द पाये जाते हैं जिनके नाम हम क्रम से निम्नलिखित चित्र में उद्धृत करते हैं–

कुरैशी	किनानी	हुजैली	खश्अमी
खजरजी	अश्अरी	नमीरी	कैसेगीलानी
जरहमी	यमनी	अज्विशनोई	कन्दी
तमीमी	हमीरी	मद्यनी	लहमी
सादुल्अशीरी	हजरमूती	सुदूसी अमालकी	अनमारी
ग़स्सानी मजहजी	खुजाई	गतफानी	सबाई
अम्मानी	बनूहनीफ़िया	सालबी	तई
आमरिब्ने	साअसी औसी	मजीनी	सकीफी
जुजामी	बलाई	अज्रही	हवजानी
अनमरी	यमामी	सलीमो	अम्मारी

Scanned by CamScanner

अश्रएनी नसरिब्ने	मुआवीय्यी	अकी	हुज्जाजी
नब्बई	ईसी	कुजाई	काब्बिनेउम्री
काबिब्नेलवी	तहारीय्यी	रबीय्यी	जब्बतो
तैमी	रबाबी	असदिब्नेखुजैमी	सादिब्नेबक्री
हिन्दी	जंगी	अजमी	तुर्की
निब्ती	सुर्यानी	इबरानी	अजजी
जसमिब्नेबक्री	संस्कृत	हब्शी	फारसी
रूमी	बरबरी	किब्ती	यूनानी

अब यहाँ पर तीन बातें विचारणीय हैं–

प्रथम– यह कि कुरान केवल अरबी भाषा की किताब है।

द्वितीय– यह कि कुरान सात भाषाओं में उतरा।

तृतीय– यह कि कुरान में ७४ भाषाएँ मौजूद हैं।

- अब यदि कुरान का पक्ष ठीक मानें तो दूसरे दोनों पक्ष असत्य ठहरते हैं।
- यदि सात भाषाओं वाला ठीक मानें तो कुरान व हदीस दोनों में परस्पर विरोध आता है।
- यदि तीनों को ठीक कहें तो यह कदापि हो नहीं सकता।

अतएव इसका निर्णय हम अपने मुसलमान भाइयों पर

ही छोड़ देते हैं। वे जिसको चाहें सत्य मानें और जिसको चाहें असत्य मानें। हमारा काम तो केवल कुरान में अन्य भाषाओं के सिद्ध करने का था सो कर दिया अब मानना या न मानना यह पब्लिक का काम है।

यह है प्राचीन विद्वान् तथा निष्पक्ष सत्यवादियों की यथार्थ विवेचना शैली जिसका अनुकरण हम उपदेशकों का परम कर्त्तव्य है।

नोट- १. सम्पूर्ण कुरान में १७७१ मद्द हैं।
२. सम्पूर्ण कुरान में ८८०४ पेश हैं।
३. सम्पूर्ण कुरान में ३९५८२ जेर हैं।
४. सम्पूर्ण कुरान में ५२३४३० जबर हैं।

- देखें हमारी हिम्मतें अब हमें ऐसे २ विद्वान् उपदेशकों के दर्शन कराती हैं।

–लेखक

Scanned by CamScanner

कुरान पथ प्रदर्शक

(चित्र संख्या ४)

इस चित्र में कुरान शरीफ़ के संग्रह का समय व उसके प्रत्येक भागों के नाम व उनकी भिन्न-भिन्न संख्याओं तथा वेद और कुरान के सम्पूर्ण भागों की यथार्थ समता वर्णन की गई हैं–

वेद में ऋषि वेद में देवता

(१) वेद का मण्डल।	(२) सूक्त	(३) अध्याय
(४) वर्ग।	(५) अनुवाक्।	(६) मंत्र।
(७) आकार।	(८) इकार।	(९) उकार।
(१०) प्लुत।	(११) दुत्त।	(१२) दशति।
(१३) पंचर्चा।	(१४) और कूफः, मक्कः, वसः,	

शाम आदि देशों और स्थानों के नाम हैं।

यह कुरान अल्लाह मियां की ओर से २३ वर्ष में जिब्राईल फरिश्ते के द्वारा मुहम्मद साहिब तक पहुँचा।

अक्षर ३२०२६७०	शब्द ८६४३०	मंजिल ७
पारा ३०	आशार कूफी ४२३	हिज्ब ६०
बसी आयतें ६२१६	आशार बसी ६२३	बिस्मिल्लाह ११३
शामी आयतें ६२५०	बिन्दु १०५६८४	अख्मास कूफी ६४७
मक्की आयतें ६२१२	तश्दीद १३५४	अख्मासबसी १२४६
मद्दः १७७१	इराकी आयतें ६२१४	कूफी आयतें ६२३६
फतह ५२२४३	सामान्यों की आयतें	६६६६ रकूअ ५४०
ज़म्मः ८८०४	सूरतें ११४	कसरः ३९५८२

कुरान में परिवर्तन नं० ३

(चित्र संख्या ५)

हमारे मुसलमान भाई जहाँ पर कुरान शरीफ के खुदाई पुस्तक होने में और बहुत से प्रमाण देते हैं वहाँ पर एक यह भी है कि इसमें किसी प्रकार का परस्पर विरोध नहीं है।

देखो कुरान पारः ५ सूरतें निसा, रुकू ८, आयत ८२,

अ-फ़ला य-त-दब्बरूनल् कुर्आन व लौ-न मिन् अिन्दि ग़ैरिल्लाहि ल-व-जदू फ़ीहिख्तिलाफ़न् कसीरा (८२)

(कुरान मजीद सुरःनिसा, पारा ५, आयत ८२)

अर्थात् कुरान कर्त्ता कहता है कि–

क्या तुम कुरान में विचार नहीं करते कि–(यह खुदाई पुस्तक है) यदि (यह उसके) अतिरिक्त किसी अन्य की ओर से होती तो निश्चय इसमें बहुत कुछ इख़्तलाफ़-विरोध होता।

यह कुरानकर्त्ता का एक अति उत्तम तथा न्याय युक्त पक्ष है जिसको हम बड़े मान की दृष्टि से देखते हैं परन्तु खेद से लिखना पड़ता है कि इस्लामी साहित्य इसके बिल्कुल विपरीत व्यवस्था देता है देखो–

(१) तौजीहुल अहकाम बहवाला तथा कुरान की आयत

नोट– १. कुरान में ७४ भाषायें हैं।
२. कुरान में बड़े-बड़े ७६ विषय मौजूद हैं।
३. कुरान में १४ सजदे हैं।
४. कुरान में ४८२६ विश्राम हैं।

लेखक–सत्यदेव

Scanned by CamScanner

देखिये–

फ़इजन्-स-ल-खल्-अश्हुरूल-हुरूमु फ़क्तुलुल्-मुश्रिकी-न् हैयु वजत्तुमूहुम् व खुजुहुम वहसुरूहुम् वक्अुदू लहुम् कुल्-ल मर्सदिन्, फ़इन् ताबू व अक़ामुस्-सला-त़ व आतवुज़्ज़का-त़ फ़खल्लू सबीलहुम् इन्नल्ला-ह गफ़ूरूर्रहीम ॥५॥

(कुरान मजीद पारा १० सूरा तौबा आयत ५)

अर्थ–जब इज्जत के महिने गुजर जायें तो मुश्रिकों को जहां पाओ क़त्ल कर दो और पकड़ लो और घेर लो और हर घात की जगह पर उनकी ताक में बैठे रहो फिर अगर वे तौबा कर लें और नमाज़ पढ़ने और ज़कात देने लगें, तो उनकी राह छोड़ दो। बेशक़ खुदा बख्शने वाला मेहरबान है॥५॥

इस पर इमाम जाहिद फरमाते हैं कि इस आयत के उतरने से कुरान की ७० आयतें मन्सूख हो गई हैं और बहवाला इत्तेकान फी तफ्सीरिल कुरान लिखते हैं कि इस आयत के उतरने से कुरान की १२४ आयतें मन्सूख हो गई हैं कि जिनमें पहिले मुश्रिकों को न मारने की आज्ञा थी।

(२) इत्तेकान फी तफ्सीरूल कुरान में लिखा है कि–

ऐसी ऐसी १९, २० अथवा २१ आयतें निश्चय रूप से मन्सूख हो गई हैं।

(३) नज्मेखुश वाले के कथनानुसार ६६ आयतें मन्सूख हैं।

(४) ब हवाला तफ्सीर फोजुल कबीर कुरान की ५०० आयतें मन्सूख हैं और इन नासिख तथा मन्सूख आयतों को आप इन निम्नलिखित ११४ सूरतों में देख सकते हैं।

इन ४३ सूरतों में नासिख तथा मन्सूख दोनों प्रकार की आयतें नहीं हैं

१ फातेह:	२ युसूफ	३ यासीन	४ हुज्रात	५ रहमान
६ हदीस	७ सफ	८ जुमअ	९ तहरीम	१० मुल्क
११ अलहाक	१२ नूह	१३ जिन्न	१४ मुर्सलात	१५ नबा
१६ नाजआत	१७ इन्फ़ितार	१८ तत्फीफ	१९ इन्शिकाक	२० बुरूज
२१ फज्र	२२ बदल	२३ शम्स	२४ लैल	२५ जोहा
२६अलमनशर:	२७ इक्रा	२८ कद्र	२९ बिय्यन:	३०जिलजाल
३१ आदियात	३२ कारेअ:	३३तकासुर	३४ हुमज	३५ फील
३६ कुरैश	३७ माऊन	३८ कौसर	३९ नस्र	४० लहब्
४१ कुल्	४२ फलक	४३ नास		

इन २५ सूरतों में नासिख* तथा मन्सूख दोनों प्रकार की हैं।

१ बक्र	२ इम्रान	३ निसा	४ मायद:	५ अन्फाल
६ तोब:	७ इब्राहीम	८ अम्बिया	९ फुर्कान	१० शोअरा
११ अहजाब	१२ सबा	१३ मोमिन	१४ शोरा	१५ जारियात
१६ तूर	१७ वाकेअ:	१८ मुजादिल	१९ मुदस्सिर	२० कुव्वेरत्
२१ हज्ज	२२ मयेम	२३ मुजम्मिल	२४ अस्र	२५ नूर

*और नस्ख धातु के चार अर्थ हैं जिससे नासिख तथा मन्सूख दोनों शब्द बने हैं जिसका अर्थ है–मिटाना, बदलना, एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना, एक के स्थान में दूसरा शब्द प्रयुक्त करना।

-लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

Scanned by CamScanner

इन ४० में केवल मन्सूख हैं

१ अनआम	२ आराफ	३ यूनुस	४ हूद	५ राद
६ हिज्र	७ नहल	८ अस्रा	९ कहफ	१० ताहा
११ मोमिनून	१२ नम्ल	१३ कस्स	१४ अन्कबूत	१५ रूम
१६ लुकमान	१७ सजद:	१८ फातिर	१९ साफात	२० स्वाद
२१ जुम्र	२२ हामिमसजद:	२३ जुखरुफ	२४ दुखान	२५ जासिय:
२६ अहकाफ	२७ मुहम्मद	२८ नज्म	२९ कमर	३० काफ
३१ कलम	३२ मुमतहेन	३३ मआरिज	३४ कियामत	३५ दहर
३६ अबस	३७ तारिक	३८ गाशिय:	३९ तीन	४० काकेरुन

इन ६ में केवल नासिख़ हैं

१ फत: २ हश्र ३ मुनाफेकून ४ तगाबुन ५ तलाक ६ आला

नोट–

(१) इसका तात्पर्य यह है कि कुरान में कम से कम ५०० बातें ऐसी हैं कि जिनको कुरान कर्त्ता ने स्वयं परिवर्त्तन कर दिया है और यही ईश्वरीय ज्ञान के विपरीत है क्योंकि ईश्वर एक रस है अत: उसका ज्ञान भी एक रस होना चाहिये।

(२) कुरान ३२३०४५ फ़रिश्तों के सहित उतरा।

(३) कुरान में ७०००० विद्याएं।

(४) कुरान में २५ नबियों की गाथाएं हैं।

(५) कुरान में १२ फ़रिश्तों के नाम हैं।

□□□

आईना-ए-कुरान

(चित्र संख्या ६)

सम्पूर्ण कुरान की अक्षर संख्या

नक्कारा धर्म का बजता है आये जिसका जी चाहे।
सदाक़त वेद-अक़दस आज़माये जिसका जी चाहे॥

(१) अब्दुल्लाह बिन् मसऊद के कथनानुसार पूरी कुरान में तीन लाख बाईस हजार छ: सौ इकहत्तर ३२२६७१ अक्षर हैं तथा–

(२) मुजाहिद के विचारानुसार सम्पूर्ण कुरान में तीन लाख इक्कीस हजार एक सौ इक्कीस ३२११२१ अक्षर हैं यथा–

अलिफ़–अड़तालिस हजार आठ सौ छिहत्तर ४८८७६
बे – ग्यारह हजार चार सौ अट्ठाईस ११४२८
ते – दस हजार एक सौ निन्यानवें १०१९९
से – बारहसौ छिहत्तर १२७६
जीम – तीन हज़ार दो सौ छिहत्तर ३२७६
हे – तीन हजार सात सौ तिरानवें ३७९३
खे – दो हज़ार चार सौ सोलह २४१६
दाल – पांच हजार छ: सौ दो ५६०२
ज़ाल – चार हजार छ: सौ सतहत्तर ४६७७
रे – ग्यारह हजार सात सौ तिरानवें ११७९३
जे – एक हजार पाँच सौ नब्बे १५९०

Scanned by CamScanner

सीन – पाँच हजार आठ सौ इक्यानवें ५८९१
शीन – दो हजार दो सौ तिरपन २,२५३
स्वाद – दो हजार बारह २,०१२
ज्वाद – पाँच हजार छः सौ सात ५,६०७
तोए – एक हजार दो सौ सतहत्तर १,२७७
जोए – आठ सौ बयालीस ८४२
ऐन – नौ हजार दो सौ बीस ९,२२०
गेन – दो हजार दो सौ आठ २,२०८
फे – आठ हजार चार सौ निन्यानबे ८,४९९
क़ाफ़ – छः हजार आठ सौ तेरह ६,८१३
क़ाफ़ – नौ हजार पाँच सौ ९,५००
लाम – तीस हजार चार सौ बत्तीस ३०,४३२
मीम – छब्बीस हजार पाँच सौ आठ २६,५६०
नून – पैतालिस हजार एक सौ नब्बे ४५,१९०
वाव – पच्चीस हजार पाँच सौ छत्तीस २५,५३६
हे – उन्नीस हजार सत्तर १९,०७०
ला – चार हजार सात सौ बीस ४,७२०
ये – चालीस हजार नौ सौ उन्नीस ४०,९१९

(३) कसीदतुल् किरअ्त वाले के कथनानुसार ३२०२-१७० अक्षर हैं।

(४) नज्मेखुश के अन्तिम भाग में ला अक्षर को छोड़कर शेष अक्षरों की संख्या चार लाख इक्यावन हजार नौ सौ तिरासी ४,५१,९८३ मौजूद है।

नोट–

हमारे इस उपरोक्त चित्र के अनुसार–

(१) अक्षर–तीन लाख बावन हजार चार सौ उन्सठ ४,५२,४५९
(२) शब्द–आठ हजार छः सौ तितालिस ८,६४३
(३) आयतें–छः हजार छः सौ छियासठ ६,६६६
(४) मात्राएँ–पांच लाख इकसठ हजार आठ सौ सोलह ५,६१,८१६
(५) बिन्दु–एक लाख पांच हजार छः सौ चौरासी १,०५,६८४

(चित्र संख्या ७)

पं० सत्यदेव ने बनारस छोड़ने से पहिले यह चित्र बाजारों में बिक्री किये थे उनके अन्दर भी नं० ७ का चित्र सभी पैकिटों से गायब था इसलिये वह नहीं मिल सका जिसके कारण वह यहां क्रमवार इसके साथ नहीं प्रकाशित हो सका।

–लाजपत राय अग्रवाल
(सम्पादक)

Scanned by CamScanner

मुहम्मद महोदय का संक्षिप्त जीवन-परिचय*

(चित्र संख्या ८)

आप आदम के छः हजार सात सौ पचास ६,७५० वर्ष बाद ५१वीं या ९०वीं पीढ़ी में अरब के प्रतिष्ठित कुरैश वंशी अब्दुल्लाह पुजारी के घर १२वीं रबीउल अव्वल आमुल्फील सम्वत् के ५५वें दिन प्रातःकाल मक्का नगर में मुहम्मदिब्ने यूसुफ की सराय जुक्काक गली में आमिना के गर्भ से उत्पन्न हुये थे। आपके पिता दो मास गर्भ रहने पर व माता जन्म के ६ वर्ष के पश्चात् इस असार संसार से परलोक सिधार गये।

तदनन्तर २ वर्ष अपने दादा व ४ वर्ष २मास १० दिवस अपने चचा अबुतालिब के पास रहकर १३वें वर्ष आपने श्याम देश की पहिली यात्रा की। जिसके उपरान्त शीघ्र ही अबूबकर व अबूतालिब की सिफ़ारिश से आपको खुदीजा के माल की एजेण्टी मिल गई।

आप देखने में सुन्दर, सुशील, सरल स्वभाव, तीव्र बुद्धि, होनहार नवयुवक, हाथ के सच्चे, व्यवहार के पक्के थे इसलिये उम्रदराज ४० वर्ष की खुदीजा ने चढ़ती जवानी की शुरूआत, अर्थात् २५ वर्ष की आयु में आपको अपना पति बनाया। जिससे

*विस्तार से जानने के लिए–
(१) रंगीला रसूल,
(२) हज़रत मौहम्मद साहब का विचित्र जीवन, पढ़ें।
(३) हफ़वातुल मुसलमीन अर्थात्–मुसलमानों की बकवास।

-लाजपत राय अग्रवाल (वैदिक मिशनरी)

इच्छानुसार धन मिला, छोटी-मोटी सभाओं के पंच बने, भले पुरुषों के सत्संग, देशाटनों के अनुभव तथा ईश्वर भक्ति के अनुराग में एकान्त सेवन का शौक हुआ, मन की निर्मलता, वृत्तिओं के निरोध ने नाना प्रकार के स्वप्न दिखाये, जिनको आपके नासमझ यारों की सम्मति से ४० वर्ष ९ मास की आयु में आपने पैगम्बरी का दावा पेश किया।

धीरे-धीरे मूर्तिपूजा का खण्डन व ईश्वर भक्ति का मण्डन आरम्भ किया। ज्यों-ज्यों आपका प्रचार बढ़ता गया त्यों-त्यों मक्कावासियों का क्रोध भी अधिक होता गया, अन्त में ५२ वर्ष ९ मास की आयु में विवश हो आपको मक्का छोड़ कर* मदीना जाना पड़ा।

वहाँ पहुँचते ही आपके धार्मिक जीवन ने ऐसा पलटा खाया कि गोया आप कभी धार्मिक सुधारक थे ही नहीं। आपने इन अन्तिम १० वर्षों में २४ युद्ध स्वसेनापतित्व में किये तथा ५६ दूसरों के द्वारा कराये और एक लाख चौदह हजार १,१४,००० स्त्री-पुरुषों के सन्मुख मक्का यात्रा में कुरान व अहले बेत की आज्ञा पालन का उपदेश देकर २ रबीउल अव्वल हिजरी सम्वत् ११ को प्रातःकाल ६३ वर्ष की आयु में २७० मील मक्का के उत्तर, मदीना नगर में आयशः (अपनी सबसे प्रिय बीबी आयशा) के घर निम्नलिखित सम्बन्धी तथा पदार्थों के अधिपति होकर अपने प्राण त्यागे और वहीं पर आयशः के घर के आंगन में ही दफन किये गये।

*इसे हिज़रत करना भी कहते हैं, इसी के नाम पर इस्लाम में 'हिज़री सम्वत्' की शुरुआत हुई।

-लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

Scanned by CamScanner

हज़रत मौहम्मद साहब से सम्बन्धित एवं उनके आधीन पदार्थों/... के नामों की सूची

१.	लड़के	=	४
२.	लड़कियां	=	४
३.	बीबियां	=	१८
४.	दाईयां	=	०२
५.	भाई	=	०५
६.	बहनें	=	०२
७.	फूफियां	=	०६
८.	चाचा	=	१२
९.	लेखक	=	४०
१०.	गुलाम	=	५८
११.	रखैल	=	१६
१२.	नौकर	=	२६
१३.	द्वारपाल	=	०८
१४.	वकील	=	१५
१५.	बांगी (अजान देने वाला)	=	०४
१६.	मूसीक़ी (गाने वालियाँ)	=	१२
१७.	कवि	=	११६
१८.	सिंहासन	=	०१
१९.	लाठियें	=	अनेक
२०.	पताका	=	०२
२१.	धनुष	=	०२
२२.	भाले	=	०४
२३.	ढ़ालें	=	०३
२४.	विरीट	=	०३
२५.	कवच	=	०८

क्रमशः...

२६.	तलवारें	=	१०
२७.	पोशाक	=	अनेक
२८.	दूध देने वाली भेड़ें	=	०८
२९.	दूध देने वाली ऊँटनी	=	०२
३०.	गधे	=	०३
३१.	घोड़े तथा खच्चर	=	०६
३२.	अरबी उत्तम किस्म के घोड़े	=	२०
३३.	प्याले	=	०७
३४.	सिगार का डिब्बा	=	०१
३५.	गोल तकिया	=	०१

आपके मुख्यादेश

(१) पञ्चकालार्चन (पांच वक्त की नमाज)

(२) मक्का यात्रा (हज्ज़ करना)

(३) चत्वारिंश-तांशदान (चौथा हिस्सा जकात के रूप में दान करना)

(४) साल में १ मास के व्रत-उपवास (साल में एक महीने के रोजे रखना)

(५) नबियों सहित ईश्वर का मानना (अल्लाह के साथ पैगेम्बर पर ईमान लाना)

(६) स्वर्ग में अप्सराओं तथा सेवकों की प्राप्ति (बहिश्त में हूरें तथा गिलमों की प्राप्ती ऐसा मानना)

(७) वार्षिकोपासना (वर्ष में एक बार ईद के रूप में त्यौहार मनाना)

(८) पंक्तिबद्ध पूजा (सार्वजनिक रूप में कतार लगाकर नमाज पढ़ना)

(९) सस्तोत्र शुक्रोपासना (जुमें अर्थात् शुक्रवार) के दिन को

Scanned by CamScanner

खास नमाज का अदा करना)

(१०) आह्लादपूर्वक समंत्रकोपासना (खुशी के साथ अरबी वाक्य द्वारा अजान देकर नमाज पढ़ना)

(११) मक्काभिमुखेश्वरोपासना (मक्का की तरफ मुख करके नमाज पढ़ना)

(१२) चार स्त्रियों तक विवाह करना, (चार-चार औरतों तक निकाह करने को जायज समझना)

(१३) पुनरागमन निषेध (आवागमन को न मानना)

(१४) मद्य निषेध (शराब को पीना हराम है, ऐसा समझना)

(१५) कुरान तथा शिष्टों की आज्ञा पालन (कुरान व पैगेम्बरों की बातों "हदीसों" पर ईमान लाना)

(१६) नास्तिक वध (काफिरों अर्थात् गैर मुस्लिमों का कतल करना)

(१७) नास्तिकों के धन पर स्वाधिकार समझना (गनीमत अर्थात् लूट के माल पर अपना अधिकार समझना)

(१८) छल युद्ध (धोखे और फरेब से भी जंग में फतह हासिल करना)

(१९) मूर्त्ति और उसकी पूजा का खण्डन (बुत एवं बुतपरस्ती को जड़ से समाप्त करना)

(२०) सूकराभक्षण (सूअर के मांस का भक्षण करना)

(२१) मृतकाभक्षण (निरीह पशुओं को हलाल करके मरे हुओं के मांस को खाना)

(२२) प्रलय में ईश्वर का दर्शन (कयामत पर विश्वास करना)

(२३) धर्माधर्म ईश्वर की ओर से मानना (अच्छा-बुरा जो कुछ हो रहा है वह सब खुदा की ओर से ही है, ऐसा विश्वास करना)

इन २३ आदेशों का माननेवाला मनुष्य 'मुसलमान' कहलाता है।

नोट–

१- मुहम्मद साहब का २१, २२ अथवा २३ वर्षों में कुरान लिखवाना और ३२१ अभिज्ञान मुअजजे अर्थात् चमत्कार जैसे सातवें आसमान पर मैराज की रात्रि में खुदा से बातें करना, मक्का की मूर्तियों का खण्डन तथा फरिश्तों के द्वारा चार बार आपका पेट चाक होकर मलिनता अर्थात् कालिख का साफ होना इत्यादि बातें भी इस्लामी साहित्य में सर्वत्र मौजूद हैं।

२- मुहम्मद साहब के कथनानुसार अब तक एक लाख चौबिस हजार १,२४,००० नबी हो चुके हैं।

३- इस्लामी साहित्य में मुहम्मद साहिब की छः लाख ६,००,००० उक्तिये अर्थात् हदीसें* मौजूद हैं।

४- मुहम्मद साहब के कथनानुसार ईश्वरीय सृष्टि में १८००० योनिएँ हैं।

५- मुहम्मद साहब के कथनानुसार १०४ पुस्तकें ईश्वरीय** अर्थात् खुदायी किताब हैं।

---

* इनमें से बहुत-सी हदीसें हमारे यहां विक्रय विभाग में मौजूद हैं। इच्छुक सज्जन सम्पर्क करें।

** दुनिया का कोई भी मौलवी इन खुदायी किताबों के नाम अगर गिनवा दे तो मैं उसे मुंह मांगा ईनाम देने को तैयार हूँ, अगर ऐसा नहीं है तो क्यों न मौहम्मद साहब पर सक्षम न्यायालय में झूठ बोलने का दावा ठोका जाये?

-लाजपत राय अग्रवाल (वैदिक मिशनरी)
अमर स्वामी प्रकाशन विभाग गाजियाबाद (उ०प्र०)
सम्पर्क : ०१२०-२७०१०६५, ०९९१०३३६७१५

Scanned by CamScanner

अत्यावश्यक दृष्ट्व्य

मौलवी मौहम्मद अली साहब एम.ए. कृत–जमा कुरान पर एक दृष्टि अर्थात् **कुरान में परिवर्तन** जिसके लेखक मौलाना गुलाम हैदर अली उर्फ पण्डित सत्यदेव काशी ही हैं जिसमें प्रस्तुत पुस्तक पर की गई आपत्तियों के जवाब भी मौजूद हैं, जो लगभग डेढ़ सौ पृष्ठ की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण दुर्लभ पुस्तक है, जो सन् १९२६ ई. के बाद अब पुनः हमारे द्वारा शीघ्र ही छपकर आने वाली है।

–लाजपत राय अग्रवाल
(वैदिक मिशनरी)

प्रकाशन का भविष्य

चिरंजीव आचार्य अविरल अपने नाना श्री रिसर्चस्कॉलर राकेश कुमार आर्य एडवोकेट जी की गोद में आशीर्वाद लेते हुए, अपनी मस्ती में मस्त.....।

तुम जियो हजारों साल, साल के दिन हों एक हजार

नोट : विशेष जानकारी के लिये सूची पत्र मंगायें।

अतुल बुक एजेन्सी

१०५८, विवेकानन्द नगर (द्वितीय तल), गाजियाबाद-२०१००२ (उ.प्र.)

दूरभाष : ०१२०-२७०१०६५, ०९८७१२३०३२१

E-mail : atulgupta2115@hotmail.com

Scanned by CamScanner